Gau Mata Aarti हिंदू धर्म में विशेष महत्व रखती है। गौ माता को माता भूमि का रूप माना जाता है और उन्हें गौवंश और संस्कृति की रक्षक माँ माना जाता है। गौ माता की आरती के पाठ से भक्तों को धर्म, कर्म, और सेवा की भावना से जुड़ाव होता है और उन्हें माँ गौ माता के आशीर्वाद से समृद्धि और शुभकामनाएं प्राप्त होती हैं।

Gau Mata Aarti के पाठ से भक्त के जीवन में शांति, समृद्धि, और समस्त संसार के कल्याण की कामना की जाती है। भक्त इस आरती के द्वारा गौ माता को समर्पित होकर अपने कर्तव्यों का पालन करते हैं और उन्हें शुभकामनाएं प्रदान करते हैं।

॥ गौ माता की आरती ॥ Gau Mata Aarti ॥

गौ माता की आरती उन्हें समर्पित है, जिन्हें धर्म, सेवा, और समस्त संस्कृति की रक्षक माँ माना जाता है। भक्त इस आरती के द्वारा गौ माता के आशीर्वाद से अपने जीवन में शुभ और मंगल की प्राप्ति होती है।

श्री गौमता जी की आरती
आरती श्री गैय्या मैंय्या की,
आरती हरनि विश्व धैय्या की ॥

अर्थकाम सद्धर्म प्रदायिनि,
अविचल अमल मुक्तिपददायिनि ।
सुर मानव सौभाग्य विधायिनि,
प्यारी पूज्य नंद छैय्या की ॥

आरती श्री गैय्या मैंय्या की,
आरती हरनि विश्व धैय्या की ॥

अख़िल विश्व प्रतिपालिनी माता,
मधुर अमिय दुग्धान्न प्रदाता ।
रोग शोक संकट परित्राता,
भवसागर हित दृढ़ नैय्या की ॥

आरती श्री गैय्या मैंय्या की,
आरती हरनि विश्व धैय्या की ॥

आयु ओज आरोग्य विकाशिनि,
दुख दैन्य दारिद्रय विनाशिनि ।
सुष्मा सौख्य समृद्धि प्रकाशिनि,
विमल विवेक बुद्धि दैय्या की ॥

आरती श्री गैय्या मैंय्या की,
आरती हरनि विश्व धैय्या की ॥

सेवक जो चाहे दुखदाई,
सम पय सुधा पियावति माई ।
शत्रु मित्र सबको दुखदायी,
स्नेह स्वभाव विश्व जैय्या की ॥

आरती श्री गैय्या मैंय्या की,
आरती हरनि विश्व धैय्या की ॥

आरती श्री गैय्या मैंय्या की,
आरती हरनि विश्व धैय्या की ॥

Shivami Astroworld